भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4125
24 मार्च, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

इन्फ्लुएंजा के उप-प्रकार ए एच3एन2 के बढ़ते मामले

4125. डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:
श्री बी. मणिक्कम टैगोर:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
श्री जी. सेल्वम:
श्री धनुष एम. कुमार:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश के विभिन्न भागों में इन्फ्लुएंजा के उप-प्रकार ए 'एच3एन2 से संबंधित खांसी और बुखार के मामलों की सूचना मिली है और यदि हां, तो सामने आए ऐसे मामलों की संख्या राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार कितनी है और ऐसे मामलों की संख्या कितनी है जिनमें उपचार किया गया;
(ख) क्या सरकार ने इस बीमारी से निपटने के लिए राज्यों की तैयारियों और दवाओं की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता की समीक्षा की है और यदि हां, तो इस बीमारी के उपचार के लिए राज्यों को प्रदान की गई दवाओं सहित वित्तीय और तकनीकी सहायता का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह सच है कि ए एच3एन2 से होने वाले संक्रमण के उपचार के लिए लोग एंटीबायोटिक्स ले रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के प्रति चेतावनी जारी की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और परामर्श का क्या परिणाम रहा है;
(ड) सरकार द्वारा इस बीमारी का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए स्वास्थ्य अवसंरचना के समुचित प्रबंधन और सृजन हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;
(च) क्या भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर,) ने यह संकेत दिया है कि अन्य इन्फ्लुएंजा उप-प्रकारों की तुलना में इस रोगाणु से पीड़ित अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं;
(छ) क्या गंभीर श्वसन संबंधी संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराए गए अनेक रोगियों में इन्फलुएंजा ए एच3एन2 वायरस पाया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ज) क्या सरकार ने आईसीएमआर द्वारा दी गई चेतावनियों के आलोक में कोई सावधानीपूर्ण कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (ज): राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, 1 जनवरी, 2023 से 20 मार्च, 2023 तक एच3एन2 के कुल 1161 मामलों की सूचना मिली हैं। इसका राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति की निगरानी करता है और मंत्रालय ने एच3एन2 सहित इन्फ्लूएंजा के मामलों के प्रबंधन के लिए राज्यों की सहायता करने के लिए कई कदम उठाए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को एक परामर्श जारी कर आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं।

  - संबंधित क्षेत्रों में इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी/गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (आईएलआई/एसएआरआई) के रूझान पर गहन निगरानी, सभी आईएलआई और एसएआरआई मामलों में एसएआरआई मामलों के अनुपात की निगरानी करना और इन्फ्लुएंजा, सार्स-कोवी-2 आदि के परीक्षण के लिए पर्याप्त संख्या में नमूने रेफर करना।
  - श्वसन संबंधी और हाथ की स्वच्छता का कड़ाई से पालन करने बारे में सामुदायिक जागरूकता बढ़ाएं (जैसे खांसते या छींकते समय अपने मुंह और नाक को टिश्यू पेपर/ कोहनी से ढंकना, सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचना, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर प्राथमिकता पूर्वक मास्क का उपयोग करना, बार-बार हाथ धोना आदि), लक्षणों की शीघ्र रिपोर्टिंग को बढ़ावा देना, और श्वसन संबंधी बीमारी से पीड़ित होने पर परस्पर संपर्क को सीमित करना।
  - मौसमी इन्फ्लुएंजा (https://main.mohfw.gov.in/basicpage/technical-guidelines), कोविड-19 (https://mohfw.gov.in) आदि के लिए तकनीकी दिशानिर्देशों का व्यापक रूप से प्रसार। इन दिशा-निर्देशों इस मंत्रालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है।
  - कोविड-19 के संदर्भ में 'आशोधित निगरानी कार्यनीति संबंधी प्रचालनात्मक दिशा-निर्देशों' को कार्यान्वित करें जिसमें आईएलआई/एसएआरआई के मामलों के रूप में विद्यमान श्वसन रोगजनकों की एकीकृत निगरानी का प्रावधान है। ये दिशा-निर्देश https://www.mohfw.gov.in/pdf/OperationalGuidelinesforRevisedSurveillanceStrategyincontextofCOVID-19.pdf पर उपलब्ध हैं।
  - अस्पतालों में दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुरूप जन संसाधन के क्षमता निर्माण के साथ-साथ कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा के खिलाफ टीकाकरण कवरेज सहित अस्पताल की तैयारियों का अवलोकन करना।

जिला स्तर पर पर्याप्त अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए, भारत सरकार विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत नए स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों की स्थापना और अवसंरचना उन्नयन सहित सार्वजनिक जनस्वास्थ्य परिचर्या प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

आईसीएमआर द्वारा किए गए आईएलआई/एसएआरआई निगरानी के भाग के रूप में, पिछले दो महीनों में श्वसन संक्रमण के कारण अस्पतालों में भर्ती कुल मामलों में से 50% मामले एच3एन2 इन्फ्लुएंजा के कारण हैं और इनमें से अधिकांश मामलों में खांसी और बुखार के लक्षण दिखाई दिए हैं।

एच3एन2 एक वायरल श्वसन संक्रमण है और वायरल संक्रमण के उपचार में एंटीबायोटिक दवाओं की कोई भूमिका नहीं है। हालांकि, कभी-कभी श्वसन संक्रमण में जीवाणु संक्रमण और वायरल संक्रमण साथ-साथ भी हो सकते हैं और इसलिए चिकित्सक द्वितीयक जीवाणु संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक लिख सकते हैं।

*****

अनुलग्नक

क्र.सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	मामले
1	अंडमान और निकोबार	0
2	आंध्र प्रदेश	12
3	अरुणाचल प्रदेश	0
4	असम	1
5	बिहार	1
6	चंडीगढ़	2
7	छत्तीसगढ़	1
8	दादरा और नगर हवेली	0
9	दमन और दीव	0
10	दिल्ली	370
11	गोवा	1
12	गुजरात	9
13	हरियाणा	10
14	हिमाचल प्रदेश	0
15	जम्मू	0
16	कश्मीर	4
17	झारखंड	0
18	कर्नाटक	134
19	केरल	49
20	लद्दाख	0
21	लक्षद्वीप	0
22	मध्य प्रदेश	1
23	महाराष्ट्र	184
24	मणिपुर	0
25	मेघालय	0
26	मिजोरम	0
27	नगालैंड	0
28	ओडिशा	28
29	पुदुचेरी	99
30	पंजाब	25
31	राजस्थान	180
32	सिक्किम	0
33	तमिलनाडु	0
34	तेलंगाना	0
35	त्रिपुरा	4
36	उत्तराखंड	7
37	उत्तर प्रदेश	19
38	पश्चिम बंगाल	20